दि न्यू इंन्डिया एश्योरन्स कंपनी लिमिटेड
THE NEW INDIA ASSURANCE COMPANY LTD.
पंजीकृत एवं प्रधान कार्यालय : न्यु इन्डिया एश्योरन्स बिल्डिंग, 87, महात्मा गांधी मार्ग, फोर्ट, मुंबई - 400 001.
Regd & Head Office : New India Assurance Bldg., 87, M.G. Road, Fort, Mumbai - 400 001.
CIN No. L66000MH1919GOI000526

Phone : 022-22708100
22708400
Website : www.newindia.co.in

Ref. No.: NIACL/CMD_Board Sectt/SE-20/2021-22

8th June, 2021

To,

The Manager
Listing Department
BSE Limited
Phiroze Jeejeebhoy Tower
Dalal Street
Mumbai 400 001

The Manager
Listing Department
The National Stock Exchange of India Ltd.
Exchange Plaza, 5th floor, Plot C/1
G Block, Bandra-Kurla Complex
Mumbai 400 051

Scrip Code: (BSE 540769/ NSE-NIACL)

Dear Sir/Madam,

Sub: **Extract of the Audited Financial Results(Standalone/CFS) of the Company for the Quarter and Year ended 31st March, 2021 published in newspapers**

This has reference to our letter dated June 07, 2021 whereby we had submitted the outcome of the Board Meeting held. The cutting of the newspapers, where we had published the "Extract of the Audited Financial Results" (Standalone/CFS) of the Company for Quarter and Year ended 31st March, 2021 is enclosed.

The said extract is also available on the Company's website at www.newindia.co.in

This is for your information and records.

Thanking You,

Yours faithfully,

For The New India Assurance Company Limited

THE NEW INDIA ASSU. CO. LTD. H. O. MUMBAI

Jayashree Nair
Company Secretary & Chief Compliance Officer

टर्नओवर में बड़ी फर्मों का हिस्सा कम

100 अग्रणी कंपनियों की हिस्सेदारी ट्रेडिंग टर्नओवर में अब 50 फीसदी से कम रह गई है, जो एक साल पहले 75 फीसदी थी

सुंदर सेतुरामन
मुंबई, 7 जून

कारोबार का हाल

- अप्रैल व मई में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने इन दोनों महीनों में **12,613** करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की
- एफपीआई देश के बड़े व सबसे ज्यादा लिक्विड शेयरों में दांव लगाने के लिए जाने जाते हैं

नकदी बाजार के टर्नओवर में 100 अग्रणी कंपनियों की हिस्सेदारी पिछले एक साल में काफी ज्यादा घटी है। मई 2020 के 87 फीसदी के मुकाबले अब यह घटकर करीब 50 फीसदी रह गई है। यह बताता है कि कीमत व वॉल्यूम दोनों लिहाज से ट्रेडिंग अब व्यापक बाजार में शिफ्ट हो गई है।बाजार के विशेषज्ञों ने कहा, स्मॉल व मिडकैप सूचकांकों के उम्दा प्रदर्शन और खुदरा निवेशकों की बढ़ती भागीदारी के परिणामस्वरूप यह बदलाव आया है।

इक्विनॉमिक्स के संस्थापक जी. चोकालिंगम ने कहा, म्युचुअल फंडों के काफी निवेशकों ने अपना निवेश स्मॉल व मिडकैप शेयरों में लगा दिया है। साथ ही पिछले कुछ महीनों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारत में बहुत ज्यादा निवेश नहीं किया है। वे सामान्य तौर पर 100 अग्रणी कंपनियों में निवेश करते हैं। इसके अतिरिक्त खुदरा निवेशक अब सटोरिया कारोबार में शामिल होने लगे हैं।

अप्रैल व मई में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने इन दोनों महीनों में 12,613 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की। एफपीआई देश के बड़े व सबसे ज्यादा लिक्विड शेयरों में दांव लगाने के लिए जाने जाते हैं।

व्यापक बाजार के हक में इस तरह की शिफ्टिंग बाजार में कुछ साल तक मुनाफे पर संकेंद्रण के बाद देखने को मिली है। आईडीबीआई कैपिटल के शोध प्रमुख ए के प्रभाकर ने कहा, पहले बाजार काफी संकीर्ण था। लोग 100 अग्रणी गुणवत्ता वाले शेयर खरीदते थे और विदेशी फंडों की भागीदारी, स्थानीय निवेशकों के मुकाबले ज्यादा थी। पिछले साल खुदरा भागीदारी बढ़ी क्योंकि ब्याज दरों में काफी तेज गिरावट देखने को मिली। साथ ही शेयर बाजारों ने बेहतर रिटर्न की पेशकश की।

इस साल स्मॉल व मिडकैप शेयर बढ़त की राह पर हैं। बीएसई मिडकैप में इस साल अब तक 27 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और कैलेंडर वर्ष के हर महीने में यह चढ़ा है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स में इस साल 36 फीसदी की उछाल आई है। इसकी तुलना में बीएसई 100 इंडेक्स 14 फीसदी चढ़ा है।

लॉकडाउन के कारण पैदा हुई बेचैनी और छूट वाली ब्रोकरेज फर्मों के आसान विकल्पों ने बड़ी संख्या में खुदरा निवेशकों को बाजार से जोड़ दिया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के खुदरा शोध प्रमुख दीपक जसानी ने कहा, इसने काफी खरीदारों व ट्रेडरों को आकर्षित किया और इन शेयरों का वॉल्यूम बढ़ा। जनवरी-मई 2021 में एनएसई 500 के औसतन 40 शेयर रोजाना आधार पर 52 हफ्ते के उच्च सस्तर पर पहुंचे जबकि 2019 व 2020 में यह क्रमश: 9 व 16 फीसदी रहा था।

व्यापक बाजारों में उल्लास के माहौल से मिड व स्मॉलकैप शेयरों में संस्थागत भागीदारी देखने को मिली। जसानी ने कहा, एफपीआई और देसी संस्थागत निवेशकों का टर्नओवर सामान्य परिदृश्य में मुख्य तौर पर 100 अग्रणी शेयरों में संकेंद्रित होता है। हालांकि जनवरी 2021 के बाद से उनमें से कुछ ने मिडकैप शेयरों में ट्रेडिंग शुरू की। सेबी की तरफ से पीक मार्जिन की अनिवार्यता बढ़ाए जाने के बाद ट्रेडरों ने उन शेयरों पर ध्यान केंद्रित करना शुरू किया जहां उच्च लागत की भरपाई के लिए ज्यादा कमाई की संभावना हो और इसमें मिडकैप फिट बैठता है।

तेजी के साथ मिडकैप व स्मॉलकैप में उभार

समी मोडक
मुंबई, 7 जून

भारत का बाजार पूंजीकरण 3 लाख करोड़ डॉलर के पार निकल गया है, ऐसे में हर तरह के शेयरों का भार बढ़ रहा है। मिडकैप शेयर की पात्रता के लिए ऊपरी सीमा (म्युचुअल फंडों के पुनर्वर्गीकरण की खातिर सेबी की परिभाषा के तहत) अब तक के सर्वोच्च स्तर 5.4 अरब डॉलर पर पहुंच गई है।

साल 2013 में हुई भारी बिकवाली के दौरान यह घटकर महज 1 अरब डॉलर रह गई थी। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की तरफ से हुए विश्लेषण से यह जानकारी मिली।

अनिवार्य तौर पर इसका मतलब यह है कि 101वीं सूचीबद्ध कंपनी का आकार आठ साल में पांच गुना बढ़ा है। इस अवधि में बेंचमार्क सेंसेक्स में 2.7 गुने की बढ़ोतरी हुई है। बाजार नियामक सेबी बाजार पूंजीकरण के लिहाज से 100 अग्रणी कंपनियों को लार्जकैप के तौर पर पारिभाषित करता है। अगले 150 शेयरों को मिडकैप माना जाता है और बाकी सूचीबद्ध शेयर स्मॉलकैप के तौर पर जाने जाते हैं। हर छह महीने में उद्योग निकाय एम्फी इस सूची की गणना करता है।

बाजार पूंजीकरण के लिहाज से 251वीं रैंकिंग वाली कंपनियों यानी स्मॉलकैप की ऊपरी सीमा अभी 1.6 अरब डॉलर है। हालांकि एक साल पहले के मुकाबले यह करीब-करीब दोगुना है, पर जनवरी 2018 के उच्चस्तर से अभी भी पीछे है। तब स्मॉलकैप शेयरों की पात्रता के लिए ऊपरी सीमा 1.78 अरब डॉलर थी।

कोविड-19 के दौरान पिछले साल निचले स्तर पर पहुंचा भारत का बाजार पूंजीकरण अब दोगुने से ज्यादा हो गया है। 23 मार्च को सभी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण फिसलकर 1.5 लाख करोड़ डॉलर से नीचे चला गया था। सोमवार को भारत का बाजार पूंजीकरण 3.15 लाख करोड़ डॉलर रहा।

जुलाई में एम्फी भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों की रैंकिंग की सूची जारी करेगा, जो जनवरी से जून 2021 के बीच उनके औसत बाजार पूंजीकरण पर आधारित होगा। एक फंड मैनेजर ने कहा, आपका औसत मिडकैप या स्मॉलकैप पहले के मुकाबले काफी बड़ा है। कल्पना कीजिए कि 10,000 करोड़ रुपये से ज्यादा बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों को स्मॉलकैप कहा जाएगा। अगर वास्तव में किसी को मिडकैप थीम में काम करना है तो उन्हें स्मॉलकैप फर्मों में मौके तलाशने होंगे और स्मॉलकैप की तलाश करने वालों को माइक्रोकैप पर नजर डालनी होगी।

अगर बाजार मौजूदा स्तर पर बना रहता है तो मिडकैप कंपनियों के लिए बाजार पूजीकरण का दायरा 12,000 करोड़ रुपये से लेकर 40,000 करोड़ रुपये के बीच होगा।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल देगी 867 करोड़ रुपये बोनस

निजी क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनी आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 21 के लिए सभी पात्र भागीदार पॉलिसीधारकों के लिए पिछले वित्त वर्ष से 10 प्रतिशत अधिक 867 करोड़ रुपये के वार्षिक बोनस की घोषणा की है, जो इस बीमा कंपनी द्वारा घोषित किया जाने वाला अब तक का सबसे अधिक बोनस है।

कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि 31 मार्च, 2021 तक परिचालित सभी भीगदार पॉलिसी यह बोनस प्राप्त करने के लिए पात्र हैं और इसे पॉलिसीधारकों के लाभों में जोड़ दिया जाएगा। बोनस कंपनी के भागीदार पॉलिसीधारक के फंड द्वारा उत्पन्न लाभ का हिस्सा है, जिसे उनके गारंटीशुदा परिपक्वता लाभों में जोड़ा जाता है। कहा जा रहा है कि बीमा कंपनी द्वारा घोषित इस बोनस से करीब 9.8 लाख भागीदार करने वाले धारकों को लाभ होगा।

कंपनी ने अपने बयान में कहा 'कंपनी के कड़े निवेश दर्शन ने स्थापना के बाद से और बाजार चक्रों में अपने पोर्टफोलियो में शून्य चूक सुनिश्चित की है। 31 मार्च, 2021 तक नियत आय पोर्टफोलियो का 96.8 प्रतिशत हिस्सा सॉवरिन या एएए-रेटेड पत्र में निवेश किया गया है।' यह बीमा कंपनी अब लगातार 15 वर्षों से बोनस की घोषणा करती आ रही है, जो पॉलिसीधारकों को बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न देने के लिए ग्राहक-केंद्रितता और दीर्घकालिक निवेश के दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। *बीएस*

Available on Leave and Licence

**3290 sq. ft. (carpet area – 2303 sq. ft.)
Recently and Fully Furnished Office
with New AC at Paragon Centre, Worli.**

**Office is centrally located at P. B. Marg, close to Doordarshan Tower, Opposite Birla Centurion and with easy connectivity with Bandra Worli Sea Link. Interested parties please write to kishor.shrigandhewar@bsmail.in or call Mr. Kishor Shrigandhewar on 9892981751 or Mr Satose on 9819018103.
Web: www.paragonproperties.in**

बाजार पूंजीकरण-जीडीपी अनुपात 13 साल के उच्चस्तर पर

सभी सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण मार्च के बाद से बढ़कर दोगुने से ज्यादा गया है

कृष्ण कांत
मुंबई, 7 जून

- यह अनुपात दिसंबर 2008 के बाद सर्वोच्च स्तर है क्योंकि तब यह 150 फीसदी की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया था
- पिछले साल मार्च के आखिर में यह अनुपात 11 साल के निचले स्तर 56.8 फीसदी को छू गया था और इस साल मार्च के आखिर में 100 फीसदी के करीब था
- वैश्विक स्तर पर ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और द. अफ्रीका) में भारत का एमकैप-जीडीपी अनुपात सबसे ज्यादा है, लेकिन द. अफ्रीका इसमें अपवाद है
- चीन में यह अनुपात 81 फीसदी है जबकि ब्राजील में 73 फीसदी और रूस में 52 फीसदी

भारतीय इक्विटी बाजार का आर्थिक बुनियाद से आगे बढ़ना जारी है। पिछले वित्त वर्ष में हालांकि भारतीय अर्थव्यवस्था ने 70 साल का सबसे खराब प्रदर्शन किया, लेकिन सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण अब तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया। इसके परिणामस्वरूप भारत का बाजार पूंजीकरण व सकल घरेलू उत्पाद का अनुपात 13 के उच्चस्तर 115 फीसदी को छू गया।

यह अनुपात दिसंबर 2008 के बाद सर्वोच्च स्तर है क्योंकि तब यह 150 फीसदी की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया था। इसकी तुलना में पिछले साल मार्च के आखिर में यह अनुपात 11 साल के निचले स्तर 56.8 फीसदी को छू गया था और इस साल मार्च के आखिर में 100 फीसदी के करीब था।

सभी सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण पिछले साल मार्च से दोगुना हो गया है यानी 113.5 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 226.5 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसकी तुलना में मौजूदा कीमत पर भारत की जीडीपी वित्त वर्ष 21 में तीन फीसदी सिकुड़कर करीब 197 लाख करोड़ रुपये रह गई, जो एक साल पहले 203 लाख करोड़ रुपये रही थी।

यह विश्लेषण मौजूदा कीमत पर तिमाही जीडीपी पर आधारित है, जिसके लिए पिछली चार तिमाहियों को आधार बनाया गया है। साथ ही यह मार्च 2015 के बाद से हर तिमाही के आखिर में बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण पर भी आधारित है।

भारत का मौजूदा एमकैप-जीडीपी अनुपात ऐतिहासिक स्तर से ज्यादा है, जो दलाल पथ पर शेयरों के उच्च मूल्यांकन को लेकर चिंता बढ़ाता है। पिछले 15 वर्षों में यह अनुपात औसतन 79 फीसदी के आसपास रहा है और दिसंबर 2018 में यह 150 फीसदी के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा था और इसका निचला स्तर 52.4 फीसदी रहा है, जो मार्च 2005 के आखिर में देखने को मिला था।

इक्विनॉमिक्स रिसर्च ऐंड एडवाइजरी सर्विसेज के संस्थापक व प्रबंध निदेशक जी. चोकालिंगम ने कहा, भारत की जीडीपी के साथ सूचीबद्ध प्रतिभूतियों के बाजार पूंजीकरण का संबंध जोड़ना मुश्किल है लेकिन बाजार महंगे हैं और मौजूदा स्तर पर जरूरत से ज्यादा तेज नजर आ रहे हैं। हम पारंपरिक मूल्यांकन मानकों मसलन पीई गुणक और प्राइस टु बुक वैल्यू रेश्यो से परिणाम निकाल सकते हैं।

उनके मुताबिक, बाजार पूंजीकरण में हुई हालिया बढ़ोतरी की वजह लार्जकैप के बजाय मिड व स्मॉलकैप शेयरों में आई तेजी है। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 2021 की शुरुआत से अब तक करीब 25 फीसदी चढ़ा है, वहीं बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स इस साल अब तक 33 फीसदी की बढ़त दर्ज कर चुका है। इसकी तुलना में बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स में 9.4 फीसदी की उछाल आई है।

अन्य हालांकि इस अनुपात को खारिज करते हैं और कहते हैं कि बाजार पूंजीकरण या शेयर कीमत और देश की जीडीपी के बीच कोई सीधा जुड़ाव नहीं है।

जेएम फाइनैंशियल इंस्टिट्यूशनल सिक्योरिटीज के प्रबंध निदेशक और मुख्य रणनीतिकार धनंजय सिन्हा ने कहा, बाजार पूंजीकरण व जीडीपी अनुपात हमें बहुत ज्यादा नहीं बता पाता। बाजार पूंजीकरण या परिसंपत्ति कीमत मुद्रा की आपूर्ति के स्तर पर निर्भर करती है, न कि जीडीपी पर। दुनिया भर में विकसित बाजारों की अगुआई में मुद्रा आपूर्ति में तेजी से जीडीपी बढ़ी है और उसने इक्विटी समेत अन्य परिसंपत्ति की कीमतों में बढ़ोतरी की है। इसी वजह से एमकैप व जीडीपी अनुपात ज्यादा देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि मुद्रा की आपूर्ति ठीक रहने और महंगाई के नरम बने रहने तक बाजार पूंजीकरण जीडीपी से आगे बना रह सकता है।

विश्लेषकों ने यह भी कहा कि भारत की जीडीपी व कंपनियों का राजस्व वित्त वर्ष 21 में घटा, लेकिन कंपनियों का मुनाफा अब तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया, जिसकी वजह महामारी के कारण हुआई आर्थिक बदलाव थे। जिंस की नरम कीमतों का फायदा और ब्याज दरों में तेज गिरावट ने कंपनियों के लाभ व जीडीपी अनुपात को वित्त वर्ष 21 में एक दशक के उच्च स्तर 2.7 फीसदी पर पहुंचाने में मदद की। इसने भी बाजार में तेजी को हवा दी।

वैश्विक स्तर पर ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और द. अफ्रीका) में भारत का एमकैप-जीडीपी अनुपात सबसे ज्यादा है, लेकिन द. अफ्रीका इसमें अपवाद है। चीन में यह अनुपात 81 फीसदी है जबकि ब्राजील में 73 फीसदी और रूस में 52 फीसदी। भारत के बराबर प्रति व्यक्ति आय वाले देश इंडोनेशिया में यह अनुपात करीब 47 फीसदी है।

हालांकि अपेक्षाकृत छोटी अर्थव्यवस्थाओं मसलन सऊदी अरब में यह काफी ज्यादा 368 फीसदी, ताइवान में 316 फीसदी, दक्षिण अफ्रीका में 165 फीसदी, दक्षिण कोरिया में 142 फीसदी और मलेशिया में 124 फीसदी है।

ज्यादातर विकसित देशों में यह अनुपात 100 फीसदी से ज्यादा है। स्विटजरलैंड में यह 290 फीसदी, अमेरिका में 231 फीसदी, कनाडा में 196 फीसदी, यूके में 138 फीसदी, जापान में 135 फीसदी, ऑस्ट्रेलिया में 135 फीसदी, फ्रांस में 131 फीसदी है। जर्मनी, इटली और स्पेन इसके अपवाद हैं, जहां यह अनुपात 100 फीसदी से नीचे है।

दि न्यू इन्डिया एश्योरन्स कंपनी लिमिटेड
The New India Assurance Co. Ltd.

कुल लिखित प्रीमियम
₹33,046 करोड़

कर के बाद लाभ
₹1,605 करोड़

ऋणशोधन क्षमता अनुपात
2.13 गुना

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए अंकेक्षित वित्तीय परिणामों का सार

क्र. सं.	विवरण	स्टैंडलोन					समग्र				
		समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष		समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष	
		31st Mar 2021	31st Dec 2020	31st Mar 2020	31st Mar 2021	31st Mar 2020	31st Mar 2021	31st Dec 2020	31st Mar 2020	31st Mar 2021	31st Mar 2020
1	कुल लिखित प्रीमियम	9,070	7,831	8,145	33,046	31,244	9,134	7,889	8,193	33,306	31,475
2	शुद्ध लिखित प्रीमियम	7,291	6,347	6,289	26,966	24,487	7,329	6,380	6,316	27,114	24,619
3	कर से पहले लाभ	335	662	140	2,037	1,639	324	665	128	2,060	1,659
4	कर के बाद लाभ	241	521	127	1,605	1,418	240	524	113	1,628	1,436
5	ऋणशोधन क्षमता अनुपात (गुना)	2.13	2.15	2.11	2.13	2.11	2.13	2.15	2.11	2.13	2.11
6	शुद्ध मूल्य	17,786	17,468	15,726	17,786	15,726	18,485	18,125	16,330	18,485	16,330
7.	अर्जन प्रति शेयर (शुद्ध आंकडे)	1.46	3.16	0.77	9.74	8.60	1.41	3.19	0.72	9.95	8.75

नोट : 1. उक्त सेबी (सूचीबद्ध व अन्य प्रकटीकरण आवश्यकताएं विनियम 2015 के विनियम 33 व विनियम 52 के तहत स्टॉक एक्सचेंज के साथ दायर समाप्त तिमाही व वर्ष वित्तीय परिणामों का विस्तृत प्रारूप का सार है। समाप्त तिमाही व वर्ष वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट www.bseindia.com और www.nseindia.com और कंपनी की वेबसाइट www.newindia.co.in पर उपलब्ध है।
2. उक्त परिणामों की अंकेक्षण समिति द्वारा समीक्षा की गई है और 07 जून, 2021 को आयोजित उनकी बैठक में बोर्ड द्वारा अनुमोदित है। साथ ही ये वैधानिक अंकेक्षकों द्वारा सीमित समीक्षा का भी विषय रह चुके हैं।

निदेशक मंडल की ओर से व उन्हीं के लिए

हस्ता./-
अतुल सहाय
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
डीआईएन 7542308

स्थान : मुंबई
दिनांक : 07 जून, 2021

**24x7 - Toll free number
1800-209-1415**

www.newindia.co.in

NEW INDIA ASSURANCE
दि न्यू इन्डिया एश्योरन्स कंपनी लिमिटेड
The New India Assurance Co. Ltd

Head Office: New India Assurance Building, 87, M. G. Road, Fort, Mumbai - 400 001 INDIA

IRDAI REGN No. 190 CIN : L66000MH1919GOI000526

Air traffic recovery likely by third quarter: IndiGo

Airline not to pay dividend for FY21

ARINDAM MAJUMDER
New Delhi, 7 June

While the company will slow down delivery of new aircraft, it will increase the pace of return of the older A320 Ceo aircraft

IndiGo, India's largest airline, is expecting a recovery in domestic traffic by the third quarter of FY22.

However, the airline expects a longer recovery period for international traffic, which it expects to normalise by Q4 of the financial year.

IndiGo Chief Executive Officer Ronojoy Dutta said while in February passenger traffic had almost reached 80 per cent of what it was in pre-Covid days, the company thought it could reach that stage by the festive season this year.

"We started to see a decline in March and this accelerated in April and May. However, we are now seeing a modest turnaround at the end of May, which has continued in June. We are expecting that with an accelerated vaccine programme, passenger sentiment will recover faster," Dutta said.

The company said that it would not pay any dividend for FY21.

The firm, said Dutta, will slow the delivery of new aircraft but will increase the pace of return of older A320 Ceo aircraft.

In FY21, IndiGo took delivery of 46 new aircraft, the highest for any airline across the world.

Chief Financial Officer Jiten Chopra said while the cash burn had gone up due to the second wave, the airline would use sale and leaseback and raise funds through a qualified institutional placement.

IndiGo has managed to maintain its cash position. Its free cash at the end of March stood at ₹7,099 crore vis-à-vis ₹7,444 crore at the end of December. For the same period, total cash, including what is restricted, stood at ₹18,568 crore vis-à-vis ₹18,365 crore, respectively. Analysts point out the various liquidity measures that the airline has undertaken during the year have helped offset the cash burn during FY21.

The airline's consolidated net losses widened to ₹1,147.16 crore during the March quarter from ₹620.14 crore during the December quarter, and ₹1,194.83 crore in July-September.

IndiGo had reported a loss of ₹871 crore during the March quarter of the previous year.

India had for a while been fairly robust for airlines, thanks to its vast domestic network, though any positivity evaporated with the arrival of the virus, which put brakes on travel. The numbers are staggering, and are likely underreported. The latest data shows nearly 30 million confirmed Covid-19 cases and more than 349,000 deaths.

According to leading airlines, the number of air passengers per day across India has doubled from a low of 40,000-42,000 a day in May to an average of over 82,000 a day in the first week of June. The upsurge has taken place as states started easing lockdown measures, buoyed by declining infection numbers and case positivity rates.

The uptake of passengers at Delhi airport, the country's largest by capacity and the number of passengers, has also seen an increase in the first few days of June, hitting 30,000 a day, a 66 per cent rise over 18,000 a day throughout May.

CIL's e-auction sales register 52% YoY surge in April, May

SHREYA JAI
New Delhi, 7 June

With economic activity rebounding, coal demand from key manufacturing sectors has also increased

Coal India (CIL) has witnessed a 52.5 per cent increase in its e-auction sales in the first two months of the current financial year compared to the corresponding period a year ago.

In a statement, CIL said it allocated 21.5 million tonnes (mt) under the five auction windows.

The company said as demand for coal has increased, it registered a 16 per cent premium over the notified price during April-May 2021 compared to 7 per cent in the same period last year.

CIL said the reserve price under all e-auction windows was kept at par with the notified price during the first six months of last financial year.

Out of the total allocated coal volume, the non-power sector accounted for 50 per cent of the booked quantity. This includes steel, iron and cement sectors.

With economic activities rebounding, coal demand from key manufacturing sectors has also increased.

E-auction booking by power sector consumers also saw 49 per cent growth over last year. They booked 6.1 mt under 'special forward auction', meant exclusively for them.

The increase is linked to the summer demand from the power sector, which is preparing for the peak season.

Last year, peak demand during the summer months touched a record 180 gigawatt (Gw).

During May 2021, peak power demand saw a 2 per cent year-on-year (YoY) growth.

The spot power market saw its volume growing by 9 per cent YoY.

"Though there is revival in supplies to the power sector, our concern is that there is still a bit of fluctuation in demand. We hope it stabilises soon," said the statement by CIL.

Auction allocation under the 'spot auction' window — ending May 21 — where all coal consumers, including traders, could participate, clocked 4.6 mt, a 35 per cent growth.

"Hopefully, if demand regains stability, we aim to surpass last year's mark with increased add on over the notified price without a let down on supply commitment to the power and non-power sectors," CIL said in its statement.

SBI bets on digital payments start-up Cashfree

SAMREEN AHMAD
Bengaluru, 7 June

State Bank of India has made an undisclosed investment in digital payments and banking technology start-up Cashfree, as the lender looks to promote digital payments. According to sources, the lender has picked up a less than 5 per cent stake in the Bengaluru-based company.

In November last year, Cashfree had raised $35.3 million in a Series B round led by the UK's Apis Growth Fund II.

"The investment from India's largest bank shows its trust in Cashfree's innovation and the way we are rapidly scaling up the payments business," said Akash Sinha, Co-Founder and CEO, Cashfree.

"This also underscores Cashfree's role towards building a payments ecosystem that enables the fastest and easiest way to collect payments and make payouts for growing businesses," he added. The company will use the fund to innovate, scale up, and build its payments infrastructure. Cashfree provides a full-stack payments solutions platform enabling businesses to accept and disburse payment online through a single integration.

Skoda commences production of upcoming SUV

Skoda Auto India on Monday said it has commenced production of its upcoming SUV KUSHAQ, the deliveries of which are scheduled to commence in July.

The model, which is the first production car as part of the company's India 2.0 project, is being rolled out from the Skoda Auto Volkswagen India Pvt Ltd (SAVWIPL) plant in Chakan, Pune.

PTI

Available on Leave and Licence

3290 sq. ft. (carpet area – 2303 sq. ft.)
Recently and Fully Furnished Office with New AC at Paragon Centre, Worli.

Office is centrally located at P. B. Marg, close to Doordarshan Tower, Opposite Birla Centurion and with easy connectivity with Bandra Worli Sea Link. Interested parties please write to kishor.shrigandhewar@bsmail.in or call Mr. Kishor Shrigandhewar on 9892981751 or Mr Satose on 9819018103.
Web: www.paragonproperties.in

UTTAR PRADESH NEW & RENEWABLE ENERGY DEVELOPMENT AGENCY, (UPNEDA)
(Deptt. of Additional Sources of Energy, Govt. of U.P.)
Vibhuti Khand, Gomti Nagar, Lucknow-226010
Mb. 91-9415609006, Telefax: 0522-2720779, 2720829
Website: www.upneda.org.in E-Mail: compneda@rediffmail.com

GEM BID NOTICE

UPNEDA invites online Bids from Prospective Bidders through GeM Portal for the design, supply, installation, commissioning and 5 years comprehensive warranty and maintenance of following items at various sites in Uttar Pradesh as per the details given in GeM Bid document.

1.	DESIGN, SUPPLY, INSTALLATION & COMMISSIONING WITH 5 YEARS COMPREHENSIVE WARRANTY AND MAINTENANCE OF SOLAR PV HIGH MAST LIGHTING SYSTEM (WHITE-LED BASED) WITH LI-FE-PO4 BATTERY)	GEM/2021/B/1260999	500

The Bid document are available on GeM Portal and UPNEDA Website: "http//www.upneda.org.in" from 07.06.2021. The Bidders can upload the bid up to dated 24.06.2021 till 06.00 P.M. and the technical bid shall be open on dated 24.06.2021 at 06.30 P.M. Director UPNEDA reserves the right to reject any or all bids without assigning any reason thereof.

DIRECTOR, UPNEDA

Business Standard newspaper delivering safely to homes and offices

For details,
SMS **reachbs** to **57575** or
email **order@bsmail.in**

Business Standard
Insight Out

दि न्यू इन्डिया एश्योरन्स कंपनी लिमिटेड
The New India Assurance Co. Ltd.

Gross Written Premium
₹33,046 Crores

Profit After Tax
₹1,605 Crores

Solvency Ratio
2.13 Times

Extract of Standalone and Consolidated Audited Financial Results for the Quarter and Year Ended 31st March, 2021
(₹ IN CRORES)

Sl. No.	Particulars	Standalone					Consolidated				
		Quarter Ended			Year Ended		Quarter Ended			Year Ended	
		31st Mar 2021	31st Dec 2020	31st Mar 2020	31st Mar 2021	31st Mar 2020	31st Mar 2021	31st Dec 2020	31st Mar 2020	31st Mar 2021	31st Mar 2020
1	Gross Written Premium	9,070	7,831	8,145	33,046	31,244	9,134	7,889	8,193	33,306	31,475
2	Net Written Premium	7,291	6,347	6,289	26,966	24,487	7,329	6,380	6,316	27,114	24,619
3	Profit Before Tax	335	662	140	2,037	1,639	324	665	128	2,060	1,659
4	Profit After Tax	241	521	127	1,605	1,418	240	524	113	1,628	1,436
5.	Solvency Ratio (times)	2.13	2.15	2.11	2.13	2.11	2.13	2.15	2.11	2.13	2.11
6.	Net Worth	17,786	17,468	15,726	17,786	15,726	18,485	18,125	16,330	18,485	16,330
7.	Earning Per Share (absolute Figures)	1.46	3.16	0.77	9.74	8.60	1.41	3.19	0.72	9.95	8.75

Note : 1. The above is an extract of the detailed format of quarter and year ended Financial results filed with the stock exchanges under Regulation 33 and Regulation 52 of SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulation 2015. The full format of the Quarterly and Year Ended Financial results are available on the websites of Stock exchanges (www.bseindia.com and www.nseindia.com) and the Company (www.newindia.co.in)
2. The above results were reviewed by the Audit Committee and approved by the Board at their meeting held on June 07, 2021.

Place : Mumbai
Date : 7th June, 2021

For and on behalf of the Board of Directors
sd/-
Atul Sahai
Chairman-Cum-Managing Director
DIN07542308

24x7 - Toll free number
1800-209-1415

www.newindia.co.in

NEW INDIA ASSURANCE
दि न्यू इन्डिया एश्योरन्स कंपनी लिमिटेड
The New India Assurance Co. Ltd

Head Office: New India Assurance Building, 87, M. G. Road, Fort, Mumbai - 400 001 INDIA
IRDAI REGN No. 190 CIN : L66000MH1919GOI000526

ED transfers UBL shares worth ₹5,600 crore to recovery officer

PRESS TRUST OF INDIA
New Delhi, June 7

LIQUOR FIRM UNITED Breweries on Monday said the Enforcement Directorate has transferred 4.13 crore equity shares of the Vijay Mallya-promoted firm worth over ₹5,600 crore to the Demat account of recovery officer of the Debt Recovery Tribunal (DRT).

"The Deputy Director, Directorate of Enforcement (ED), Mumbai, has transferred 4,13,15,690 equity shares constituting 15.63% of the equity share capital of the company (out of 4,27,04,758 equity shares constituting 16.15%) to the Demat account of Recovery Officer I DRT-II. Earlier these equity shares were held by certain of our promoter group companies," United Breweries (UBL) said in a regulatory filing.

In March 2019, United Breweries informed the stock exchanges that the Debt Recovery Tribunal in Bengaluru had transferred a 2.80% stake worth over ₹1,025 crore held by Mallya-promoted United Breweries (Holdings) in the company in its name.

Dutch beer maker Heineken owns a 46.69% stake in United Breweries.

Diesel sales fall 20% in early June as demand falls amid high prices

FE BUREAU
New Delhi, June 7

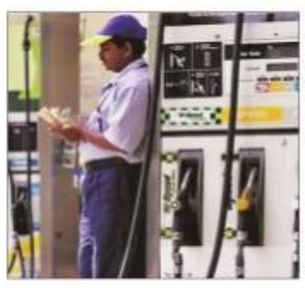

INDIA'S DIESEL SALES fell 19.7% to 762 thousand tonnes in the first six days of June, compared with the previous year, signalling reduced demand due to soaring retail prices of the fuel.

Diesel sales in May had inched up 1.4% year-on-year to 4.9 million tonnes (MT). These are the sales figures of state-run oil marketing companies (OMCs) which comprise about 90% of the total supply in the country. The latest official sales data for the overall sector are available for April when overall consumption of petroleum products had fallen to 17 MT, the lowest recorded since September 2020.

Diesel sales contribute to around 40% of the total consumption of petroleum products and lower demand signal that the re-imposition of lockdown curbs with the second wave of the coronavirus in many areas have slowed industrial and commercial consumption.

However, an industry official pointed that the difference demand is higher also because there was no Sunday in the first six days of June 2020. OMC petrol sales in the first six days of June was 260 thousand tonnes, 18.5% lower than June 2020. Petrol sold by OMCs in May was 1.8 MT, which was 12.9% higher than the same month in 2020. However, petrol sales remained much lower than 2.5 MT sold in May 2019 when there was no lockdown to reduce the spread of the coronavirus. As much as 6.9 MT of diesel was sold in May 2019.

Demand for the aviation turbine fuel (ATF) from OMCs in May, at 249 thousand tonnes, was 2.3 times higher than the corresponding period last year but remained 61.3% lower than May 2019 levels as several restrictions remained imposed on inter-state travel. Sales of ATF in the six days of June was 30 thousand tonnes, 14.3% lower than the same period last year. Sales of liquefied petroleum gas (LPG) was 2.2 MT in May, 6.3% lower than May 2020.

Petrol price tops ₹100-mark in Kerala

AFTER SEVERAL STATES, the price of premium petrol crossed ₹100-per-litre mark in Kerala on Monday.

The price of premium petrol hit the century mark at the pumps in Thiruvananthapuram, Kollam, Idukki, Palakkad, Wayanad and Kasaragod districts.

The premium petrol cost ₹101.14 at fuel stations in the capital district while it was ₹100.24 in northern Wayanad.

According to industry sources, the price is different in various districts, depending on the freight charges. The price of petrol and disease was increased by 28 paise in the state on Monday, they said. —PTI

After petrol, diesel nears ₹100 in Raj

AFTER PETROL, DIESEL is now nearing the ₹100 per litre mark in Rajasthan as oil firms raised fuel prices yet again on Monday.

Petrol price was hiked by 28 paise per litre and diesel by 27 paise, according to a price notification of state-owned fuel retailers. The hike — the 21st since May 4 — took fuel prices across the country to historic highs. Petrol is retailing above the ₹100 per litre mark in six states and union territories. — PTI

Guj GST mop-up rises despite second wave

FE BUREAU
Ahmedabad, June 7

GUJARAT GOVERNMENT'S GOODS & Service Tax (SGST) collections have gone up by over ₹6,100 crore in the first five months of the current calendar year compared to the year-ago period. Though the second wave was more intense than the first, the state government ensured that trade and industry should continue operations, said a senior official with the state finance department.

"Despite certain restrictions, most of the trades and industrial units could continue their operations. The authority refrained from complete lockdown and instead allowed businesses to operate in stipulated hours. This strategy worked for the government to curb the increasing cases of coronavirus infections without disturbing the business ecosystem," said the official.

As per the official data, state GST collection during the first five months of the current calendar year has gone up by ₹6,166 crore to ₹17357 crore year-on-year.

The state GST collection performance on month-on-month basis has improved as a collection in January 2021 has surged to ₹3,414 crore from ₹3,132 crore in the same month last year. In February GST collection soared from ₹3,516 crore to ₹3,209 crore. In March 2021, it was at ₹3,519 crore compared to ₹2,840 in March 2020. In April and May this year the GST collection was as high as ₹4,272 crore and ₹2,637 crore respectively.

Average May spot power price rises to ₹2.83 at IEX

AVERAGE SPOT POWER price has increased over 10% in May to ₹2.83 per unit compared to same month a year ago at Indian Energy Exchange (IEX) due to low base effect.

The average market clearing price was ₹2.57 per unit in day ahead market (DAM) in May 2020, as per the IEX data.

The average spot power price in DAM at IEX was ₹3.34 per unit in May, 2019. —PTI

Scrap privatisation of discoms in Chandigarh: AIPEF to Govt

THE ALL INDIA Power Engineers' Federation (AIPEF) on Monday urged the government to scrap the bidding for privatisation of electricity distribution in Chandigarh.

"All India Power Engineers' Federation (AIPEF) has demanded to scrap the bidding for privatisation of electricity in UT Chandigarh in view of the interim order of Punjab and Haryana High Court which puts brakes on privatisation process," AIPEF spokesperson V K Gupta said in a statement.

The High Court order of May 28 states, "We feel that privatisation is not a panacea for all the ills and privatisation with the blind motive of so-called efficiency falls flat as this department is not only a profitable one but also time and again matched the high standards of customers' satisfaction and has a big role in maintaining the City Beautiful." —PTI

National Highways & Infrastructure Development Corporation Limited
3rd Floor, PTI Building, 4 Parliament Street, New Delhi-110001. PH: 011-23461600

BUILDING INFRASTRUCTURE - BUILDING THE NATION

BHARATMALA ROAD TO PROSPERITY

EOI FOR OFFICE SPACE IN NEW DELHI ON OUTRIGHT PURCHASE/LONG TERM LEASE

1) National Highways and Infrastructure Development Corporation Ltd. is a fully owned company of the Ministry of Road Transport & Highways, Government of India having its registered office at 3rd Floor of PTI Building, 4 Parliament Street, New Delhi-110001. The company promotes surveys, establishes, designs, builds, operates, maintains and upgrades National Highways and Strategic Roads including interconnecting roads in parts of the country which share international boundaries with neighboring countries.

2) NHIDCL proposes to acquire office space on outright purchase basis/ long term lease basis with clear and unambiguous title deeds etc. for its office use and seeks expressions of interest from owners and authorized agents. The requirement is for 20,000 sq. ft. to 25,000 sq. ft.

For more details,

Please visit our company website **www.nhidcl.com**. The EOI should be submitted in a sealed cover addressed to Director (A&F), NHIDCL and should reach to him by 23.06.2021, by 11 AM.

New Delhi
Dated 08.06.2021

SD/-
DGM (Admin)

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India
1911 से आपके लिए "सेन्ट्रल" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

Vaccination protects health Central Bank brings wealth

Get
25 bps Extra
Interest on
FIXED DEPOSIT!
0.50% Extra for Senior Citizen

IMMUNE INDIA DEPOSIT SCHEME
• Period: 1111 Days
• Eligibility: COVID-19 Vaccinated only.
Limited Period Offer

Audited Standalone & Consolidated Financial Results for the Quarter & Year Ended March 31, 2021

(₹ in Lakh)

Particulars	Standalone					Consolidated				
	Quarter Ended			Year Ended		Quarter Ended			Year Ended	
	31.03.2021 Audited	31.12.2020 Reviewed	31.03.2020 Audited	31.03.2021 Audited	31.03.2020 Audited	31.03.2021 Audited	31.12.2020 Reviewed	31.03.2020 Audited	31.03.2021 Audited	31.03.2020 Audited
Total Income from Operations (Net)	577,984	655,698	672,373	2,589,744	2,719,929	579,500	658,431	674,347	2,599,183	2,729,799
Net Profit/(Loss) from ordinary activities after Tax	(134,921)	16,541	(152,907)	(88,758)	(112,135)	(135,464)	17,265	(153,326)	(87,849)	(112,731)
Net Profit/(Loss) from ordinary activities after Tax (after Extraordinary items)	(134,921)	16,541	(152,907)	(88,758)	(112,135)	(135,464)	17,265	(153,326)	(87,849)	(112,731)
Paid up Equity Share Capital (Face value of ₹10/- per share)	587,556	587,556	570,976	587,556	570,976	587,556	587,556	570,976	587,556	570,976
Reserves excluding Revaluation Reserves (as per Balance Sheet of previous accounting year)	-	-	-	1,203,725	1,275,711	-	-	-	1,202,900	1,286,414
Earnings Per Share (in ₹) Basic and diluted EPS before and after Extraordinary Items, net of Tax Expense [not annualised]	(2.30)	0.28	(2.68)	(1.53)	(2.40)	(2.45)	0.28	(2.94)	(1.73)	(2.69)

Note: The above is an extract of the detailed format of Quarter Ended Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarter Ended Financial Results are available on **www.bseindia.com, www.nseindia.com** and **www.centralbankofindia.co.in**

Place : Mumbai
Date: 07.06.2021

Rajeev Puri Executive Director
Vivek Wahi Executive Director
Alok Srivastava Executive Director
Matam Venkata Rao Managing Director & CEO

Wear Mask | Follow Physical Distancing | Maintain Hand Hygiene | #Unite2FightCorona

www.centralbankofindia.co.in Like us on: https://www.facebook.com/CentralBankofIndia Like us on: https://twitter.com/centralbank_in

दि न्यू इन्डिया एश्योरन्स कंपनी लिमिटेड
The New India Assurance Co. Ltd.

Gross Written Premium ₹33,046 Crores
Profit After Tax ₹1,605 Crores
Solvency Ratio 2.13 Times

Extract of Standalone and Consolidated Audited Financial Results for the Quarter and Year Ended 31st March, 2021

(₹ IN CRORES)

Sl. No.	Particulars	Standalone					Consolidated				
		Quarter Ended			Year Ended		Quarter Ended			Year Ended	
		31st Mar 2021	31st Dec 2020	31st Mar 2020	31st Mar 2021	31st Mar 2020	31st Mar 2021	31st Dec 2020	31st Mar 2020	31st Mar 2021	31st Mar 2020
1	Gross Written Premium	9,070	7,831	8,145	33,046	31,244	9,134	7,889	8,193	33,306	31,475
2	Net Written Premium	7,291	6,347	6,289	26,966	24,487	7,329	6,380	6,316	27,114	24,619
3	Profit Before Tax	335	662	140	2,037	1,639	324	665	128	2,060	1,659
4	Profit After Tax	241	521	127	1,605	1,418	240	524	113	1,628	1,436
5.	Solvency Ratio (times)	2.13	2.15	2.11	2.13	2.11	2.13	2.15	2.11	2.13	2.11
6.	Net Worth	17,786	17,468	15,726	17,786	15,726	18,485	18,125	16,330	18,485	16,330
7.	Earning Per Share (absolute Figures)	1.46	3.16	0.77	9.74	8.60	1.41	3.19	0.72	9.95	8.75

Note : 1. The above is an extract of the detailed format of quarter and year ended Financial results filed with the stock exchanges under Regulation 33 and Regulation 52 of SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulation 2015. The full format of the Quarterly and Year Ended Financial results are available on the websites of Stock exchanges (www.bseindia.com and www.nseindia.com) and the Company (www.newindia.co.in)

2. The above results were reviewed by the Audit Committee and approved by the Board at their meeting held on June 07, 2021.

Place : Mumbai
Date : 7th June, 2021

For and on behalf of the Board of Directors

sd/-
Atul Sahai
Chairman-Cum-Managing Director
DIN07542308

24x7 - Toll free number
1800-209-1415

www.newindia.co.in

NEW INDIA ASSURANCE
दि न्यू इन्डिया एश्योरन्स कंपनी लिमिटेड
The New India Assurance Co. Ltd

Head Office: New India Assurance Building, 87, M. G. Road, Fort, Mumbai - 400 001 INDIA

IRDAI REGN No. 190 CIN : L66000MH1919GOI000526

मुंबईत निर्बंध शिथिल केल्याच्या पहिल्याच दिवशीचे चित्र

लसीकरण एक टक्का, सर्वत्र गर्दी मात्र अमाप

लोकसत्ता प्रतिनिधी

छाया : दीपक जोशी

मुंबई : मुंबईतील निर्बंध शिथिल केल्याच्या पहिल्याच दिवशी बाजारपेठा, रेल्वे, बस सर्वत्र गर्दी उसळल्याचे दिसले. काही प्रमाणात अंतर, मुखपट्टी असे निकष पाळून तर काही ठिकाणी पायदळी तुडवून नागरिकांची वर्दळ सुरू होती. सरकारी व खासगी कार्यालय कर्मचाऱ्यांच्या उपस्थितीत झालेल्या वाढीमुळे रेल्वे स्थानकांतही गर्दी झाली होती. गर्दी वाढत असताना मुंबईतील लसीकरणाचे प्रमाण मात्र जेमतेम एक टक्क्यापर्यंत पोहोचले आहे.

राज्य आणि केंद्र सरकारी कर्मचारी, पालिका कर्मचारी, आरोग्य कर्मचाऱ्यांनाच लोकल प्रवासाची मुभा आहे. मुंबई, कल्याण-डोंबिवली, वसई-विरार तिसऱ्या स्तरात मोडतात. त्यामुळे सोमवारपासून या शहरांमधील सरकारी व खासगी कार्यालयांतील उपस्थितीत ५० टक्केपर्यंत, तर दुसऱ्या स्तरात मोडणाऱ्या ठाणे, नवी मुंबई या पालिकांमधील सरकारी व खासगी कार्यालयीन उपस्थिती १०० टक्के करण्यात आली. त्यामुळे लोकल प्रवासाबरोबरच पास नूतनीकरणासाठी तिकीट खिडक्यांसमोर मोठी गर्दी झाली. बाजारपेठा सुरू झाल्यानंतर मुंबईतील बाजारपेठांमध्येही खरेदीसाठी गर्दी उसळली. पावसाळी पादत्राणे, छत्र्या, शालेय साहित्य, इलेक्ट्रॉनिक वस्तू, मोबाइल यांच्या दुकानांमध्ये खरेदीसाठी ग्राहकांनी हजेरी लावली होती. त्यामुळे रस्त्यांवरही अधिक वर्दळ दिसत होती.

मुंबईतील बेस्ट बसमधूनही १०० टक्के प्रवासी क्षमतेने वाहतूक सुरू झाली. परंतु बसचालक आणि वाहकांकडून उभ्याने प्रवासी नाकारण्यात येत असल्याने ऐन गर्दीच्या वेळी प्रवाशांना ताटकळावे लागले.

दोन मात्रा केवळ एक टक्का नागरिकांना

मुंबईत ४५ ते ५९ वयोगटातील सुमारे १० लाख ४३ हजार नागरिकांनी लशीची पहिली मात्रा घेतली असली तरी यातील केवळ एक टक्का म्हणजे सुमारे १ लाख ६१ हजार नागरिकांचे दुसऱ्या मात्रेचे लसीकरण पूर्ण झाले आहे. त्यामुळे या वयोगटातील केवळ एक टक्के नागरिकांचे लसीकरण पूर्ण झाले आहे. ६० वर्षांवरील २७ टक्के नागरिकांच्या दोन्ही लशीच्या मात्रा पूर्ण झाल्या आहेत. या वयोगटात सुमारे २८ लाख १३ हजार नागरिकांनी पहिली मात्रा घेतली आहे, तर यातील सुमारे ७ लाख ६८ हजार जणांना दुसरी मात्रा दिली गेली आहे. १८ ते ४४ वयोगटातील सुमारे साडेचार लाख नागरिकांनी पहिली मात्रा घेतली असून त्यातील केवळ १ टक्का नागरिकांनी दुसरी मात्रा घेतली आहे. अत्यावश्यक सेवेतील सुमारे ५० टक्के कर्मचाऱ्यांचे दुसऱ्या मात्रेचे लसीकरण अद्याप झालेले नाही. या गटात सुमारे २ लाख ३४ हजार जणांनी पहिली मात्रा घेतली आहे, तर सुमारे १ लाख २८ हजार जणांना दुसरी मात्रा दिलेली आहे. आरोग्य कर्मचाऱ्यांमध्येही सुमारे ६८ हजार कर्मचाऱ्यांची दुसरी मात्रा अजून झालेली नाही. या गटामध्ये सुमारे १ लाख ८६ हजार कर्मचाऱ्यांना पहिली मात्रा दिलेली असून यातील सुमारे १ लाख १८ जणांची दुसरी मात्रा पूर्ण झाली आहे.

ठाणे जिल्ह्यात बाजारपेठांमध्ये झुंबड

लोकसत्ता प्रतिनिधी

ठाणे : जिल्ह्यात निर्बंध शिथिलीकरणानंतर सोमवारी बाजारपेठांसह सर्व आस्थापना सुरू होताच नागरिकांनी खरेदीसाठी मोठी गर्दी केली.

एरवी सोमवारी बंद असणारी केशकर्तनालये सुरू होती आणि त्या ठिकाणी गर्दी होती. कामावर जाण्यासाठी अनेकांनी स्वत:च्या वाहनाने मुंबईतील कार्यालयापर्यंतचा प्रवास केला. परिणामी ठाणे-बेलापूर, मुलुंड टोल नाका, शीळ फाटा मार्ग या मार्गांवर वाहतूक कोंडी झाली होती.

गोखले रोड, राम मारुती रोड, मुख्य बाजारपेठांमध्ये खरेदीसाठी नागरिकांनी गर्दी केली होती. शहरातील मॉलमध्ये तापमान तपासणीनंतरच प्रवेश दिला जात होता, मात्र फारशी गर्दी नव्हती. भिवंडी, कल्याण-डोंबिवली, उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापूर आणि ग्रामीण भागात दुपारी ४ पर्यंत दुकाने सुरू होती. बाजारपेठांमध्येही झुंबड उडाली होती. काही व्यायामशाळा सुरू झाल्या होत्या, पण त्या ठिकाणी अत्यल्प प्रतिसाद होता. उद्याने, तलाव परिसर, मोकळे रस्ते अशा ठिकाणी फेरफटका मारण्यासाठी नागरिक मोठ्या संख्येने आले होते. सर्वसामान्यांना प्रवासाची मुभा नसतानाही ठाणे स्थानकात तिकिटांसाठी रांगा लावल्या होत्या, मात्र त्यांना माघारी परतावे लागले.

७२८ नवे बाधित, २८ रुग्णांचा मृत्यू

लोकसत्ता प्रतिनिधी

मुंबई : मुंबईतील रुग्णसंख्या सतत कमी होत असली तरी मृतांच्या संख्येत मात्र चढउतार आहे. सोमवारी ७२८ नवीन रुग्णांची नोंद झाली तर २८ रुग्णांचा मृत्यू झाला. एका दिवसात ९८० रुग्ण करोनामुक्त झाले. मुंबईतील रुग्णवाढीचा दर ०.१२ टक्क्यांपर्यंत खाली आला आहे. तर रुग्णदुपटीचा कालावधी ५५० दिवसांपर्यंत वाढला आहे.

एकूण बाधितांची संख्या ७ लाख १२ हजारांपुढे गेली आहे. एका दिवसात ९८० रुग्ण बरे झाल्यामुळे आतापर्यंत ६ लाख ७९ हजारांहून अधिक म्हणजेच ९५ टक्के रुग्ण करोनामुक्त झाले आहेत. त्यामुळे उपचाराधीन रुग्णांची संख्या घटली आहे. सध्या १५ हजार ७८६ उपचाराधीन रुग्ण आहेत.

राज्यात मोठी रुग्णघट

राज्याचा करोना रुग्णआलेख झपाट्याने घसरत आहे. राज्यात सोमवारी १० हजार २१९ नवे रुग्ण आढळले, तर १५४ रुग्णांचा मृत्यू झाला. दिवसभरात २१ हजार ८१ रुग्ण करोनामुक्त झाले. राज्यात सध्या एक लाख ७४ हजार ३२० उपचाराधीन रुग्ण आहेत.

ठाणे जिल्ह्यात ४७६ रुग्ण

ठाणे : जिल्ह्यात सोमवारी ४७६ करोना रुग्ण आढळून आले. तर ३५ जणांचा मृत्यू झाला. जिल्ह्यातील ४७६ करोना रुग्णांपैकी कल्याण-डोंबिवली १३४, मीरा-भाईंदर ८९, ठाणे ८२, नवी मुंबई ६६, ठाणे ग्रामीण ६०, अंबरनाथ १५, बदलापूर १३, उल्हासनगर १२ आणि भिवंडीत पाच रुग्ण आढळून आले. तर ३५ मृतांपैकी कल्याण-डोंबिवली २१, ठाणे चार, ठाणे ग्रामीण चार, मिरा-भाईंदर तीन, नवी मुंबई दोन आणि उल्हासनगरमधील एकाचा समावेश आहे.

गावांच्या करोनामुक्तीसाठी मुख्यमंत्र्यांची 'आशां'ना साद

लोकसत्ता विशेष प्रतिनिधी

उद्धव ठाकरे

मुंबई : करोनाच्या संभाव्य तिसऱ्या लाटेचा धोका मुलांमध्ये असल्याचा अंदाज वर्तविण्यात आला आहे. ही लाट रोखण्यासाठी 'आशा' सेविकांची भूमिका महत्त्वाची आहे. पालकांनी घाबरून जाऊ नये यासाठी त्यांना आश्वस्त करतानाच करोनामुक्त गावासाठी लोकांमध्ये जागरूकता निर्माण करावी. गावातील वस्तीची जबाबदारी घेऊन करोनामुक्तीसाठी त्यांना मार्गदर्शन करा, असे आवाहन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे यांनी सोमवारी केले.

मुलांमधील करोना संसर्ग आणि आशा सेविकांची जबाबदारी या विषयावर बालरोगतज्ज्ञांच्या कृती गटाच्या सदस्यांनी आशा सेविकांशी संवाद साधला. दूरचित्र संवादाच्या माध्यमातून झालेल्या या परिषदेमध्ये मार्गदर्शन करताना मुख्यमंत्री बोलत होते. राज्यभरातील सुमारे ७० हजार आशा सेविका या ऑनलाइन परिषदेत सहभागी झाल्या होत्या.

बालरोगतज्ज्ञांच्या कृती गटाने केलेल्या सूचनांची अंमलबजावणी करतानाच करोनाव्यतिरिक्त एखाद्या आजाराची साथ, लक्षणे आढळल्यास त्याची तातडीने माहिती प्रशासकीय यंत्रणेला द्यावी, असे आवाहन मुख्यमंत्र्यांनी आशा सेविकांना केले.

'आशां'चा संपाचा इशारा

संदीप आचार्य, लोकसत्ता

मुंबई : करोना संकटात जीव धोक्यात घालून काम करतानाही सुरक्षितता आणि मानधनवाढीवर सरकार निर्णय घेत नसल्याने राज्यातील ७० हजार आशा सेविकांनी बेमुदत संपाचा इशारा दिला आहे.

'माझे कुटुंब, माझी जबाबदारी' योजना केवळ आणि केवळ आशांनी केलेल्या कामामुळे यशस्वी होऊ शकली, याची कल्पना मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे यांनाही आहे. आता करोनाच्या तिसऱ्या लाटेच्या तोंडावर मुख्यमंत्र्यांनी पुन्हा 'आशां'नी करोना गाव मुक्तीसाठी काम करावे, असे आवाहन केले आहे.

'आशां'ना किमान १३ हजार रुपये मानधन द्यावे, तसेच त्यांना व त्यांच्या कुटुंबीयांना आरोग्य सुविधा आणि विमा संरक्षण द्यावे अशी मागणी 'महाराष्ट्र राज्य आशा– गटप्रवर्तक कर्मचारी कृती समिती'चे अध्यक्ष एम. ए. पाटील यांनी केली. १५ जूनपर्यंत मागण्या मान्य न झाल्यास त्याच दिवसापासून बेमुदत संप पुकारण्याचा इशारा त्यांनी दिला.

'आशां'ना प्रतिदिन ३०० रुपये शहरी भागात, तर ग्रामीण भागात हजार रुपये महिना याचा अर्थ ३५ रुपये रोज या दराने काम करण्यास भाग पाडले जाते . त्यांना आरोग्याच्या कोणत्याही सुविधा नियमित दिल्या गेल्या नाहीत, असे आशा संघटनांचे नेते शंकर पुजारी यांनी सांगितले.

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India
1911 से आपके लिए "केंद्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

लसीकरण आरोग्याचे रक्षण करते, सेंट्रल बँक संपत्ती आणते

मिळवा
25 बीपीएस अतिरिक्त
व्याज
मुदत ठेवि वर!
0.50% अतिरिक्त
ज्येष्ठ नागरिकांसाठी

इम्यून इंडिया डिपॉझिट स्कीम
• कालावधीः 1111 दिवस
• पात्रताः फक्त कोविड–19 लसीकरण व्यक्तीसाठी
मर्यादित कालावधीसाठी ऑफर

31 मार्च 2021 रोजी संपलेल्या तिमाही आणि वर्षासाठी स्वतंत्र स्टॅण्डअलोन आणि एकत्रित लेखापरीक्षित आर्थिक निकाल
(₹ लाखांमध्ये)

तपशील	स्वतंत्र					एकत्रित				
	समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष		समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष	
	31.03.2021 लेखापरीक्षित	31.12.2020 पुनरावलोकित	31.03.2020 लेखापरीक्षित	31.03.2021 लेखापरीक्षित	31.03.2020 लेखापरीक्षित	31.03.2021 लेखापरीक्षित	31.12.2020 पुनरावलोकित	31.03.2020 लेखापरीक्षित	31.03.2021 लेखापरीक्षित	31.03.2020 लेखापरीक्षित
परिचालनातून निव्वळ उत्पन्न (निव्वळ)	577,984	655,698	672,373	2,589,744	2,719,929	579,500	658,431	674,347	2,599,183	2,729,799
सर्वसाधारण गतिविधीतून करपश्चात निव्वळ नफा / (तोटा)	(134,921)	16,541	(152,907)	(88,758)	(112,135)	(135,464)	17,265	(153,326)	(87,849)	(112,731)
करपश्चात निव्वळ नफा / (तोटा) (असाधारण बाबी पश्चात)	(134,921)	16,541	(152,907)	(88,758)	(112,135)	(135,464)	17,265	(153,326)	(87,849)	(112,731)
प्रदत्त समन्यायी भाग भांडवल (दर्शनी मूल्य ₹10 / – प्रति समभाग)	587,556	587,556	570,976	587,556	570,976	587,556	587,556	570,976	587,556	570,976
राखीव निधी, पुनर्मूल्यन राखीव निधी वगळून (मागील लेखा वर्षाच्या ताळेबंदा नुसार)	-	-	-	1,203,725	1,275,711	-	-	-	1,202,900	1,286,414
प्रति समभाग प्राप्ती (₹ मध्ये) असाधारण बाबी पूर्व आणि पश्चात मूलभूत आणि सौम्यिकृत इपीएस निव्वळ कर व्यय पश्चात (वार्षिक नाही)	(2.30)	0.28	(2.68)	(1.53)	(2.40)	(2.45)	0.28	(2.94)	(1.73)	(2.69)

टीप: वरील तपशील सेबी (लिस्टिंग आणि इतर डिस्क्लोजर रिक्वायरमेन्ट) नियम, 2015 च्या नियम 33 अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंजकडे नोंदलेल्या तिमाही समाप्तीच्या आर्थिक निकालाच्या तपशीलवार नमुन्याचा सारांश आहे. तिमाहीला समाप्त झालेल्या आर्थिक निकालांचा संपूर्ण नमुना www.bseindia.com, www.nseindia.com आणि www.centralbankofindia.co.in वर उपलब्ध आहे.

स्थानः मुंबई
दिनांकः 07.06.2021

राजीव पुरी, कार्यकारी संचालक | विवेक वाही, कार्यकारी संचालक | आलोक श्रीवास्तव, कार्यकारी संचालक | मटम वेंकट राव, व्यवस्थापकीय संचालक आणि सीईओ

Wear Mask | Follow Physical Distancing | Maintain Hand Hygiene | #Unite2FightCorona

www.centralbankofindia.co.in | Like us on: https://www.facebook.com/CentralBankofIndia | Like us on: https://twitter.com/centralbank_in

दि न्यू इन्डिया एश्योरन्स कंपनी लिमिटेड
The New India Assurance Co. Ltd.

एकूण लिखित प्रीमियम
₹३३,०४६ कोटी

करानंतर नफा
₹१,६०५ कोटी

पतदारी गुणोत्तर
२.१३ टाइम्स

३१ मार्च २०२१ रोजी संपलेल्या तिमाही व वर्षाकरिता स्वतंत्र व एकत्रिकृत लेखापरीक्षित वित्तीय निष्कर्षाचा उतारा
(₹ कोटीत)

अ. क्र.	तपशील	स्वतंत्र					एकत्रिकृत				
		संपलेली तिमाही			संपलेले वर्ष		संपलेली तिमाही			संपलेले वर्ष	
		३१ मार्च २०२१	३१ डिसेंबर २०२०	३१ मार्च २०२०	३१ मार्च २०२१	३१ मार्च २०२०	३१ मार्च २०२१	३१ डिसेंबर २०२०	३१ मार्च २०२०	३१ मार्च २०२१	३१ मार्च २०२०
१	एकूण लिखित प्रीमियम	९,०७०	७,८३१	८,१४५	३३,०४६	३१,२४४	९,१३४	७,८८९	८,१९३	३३,३०६	३१,४७५
२	निव्वळ लिखित प्रीमियम	७,२९१	६,३४७	६,२८९	२६,९६६	२४,४८७	७,३२९	६,३८०	६,३१६	२७,११४	२४,६१९
३	करपूर्वी नफा	३३५	६६२	१४०	२,०३७	१,६३९	३२४	६६५	१२८	२,०६०	१,६५९
४	करानंतर नफा	२४१	५२१	१२७	१,६०५	१,४१८	२४०	५२४	११३	१,६२८	१,४३६
५	पतदारी गुणोत्तर (टाइम्स)	२.१३	२.१५	२.११	२.१३	२.११	२.१३	२.१५	२.११	२.१३	२.११
६	निव्वळ मूल्य	१७,७८६	१७,४६८	१५,७२६	१७,७८६	१५,७२६	१८,४८५	१८,१२५	१६,३३०	१८,४८५	१६,३३०
७	प्रतीभाग कमाई (परिपूर्ण आकडेवारी)	१.४६	३.१६	०.७७	९.७४	८.६०	१.४१	३.१९	०.७२	९.९५	८.७५

नोंद: १. वरील उतारा सेबी (लिस्टिंग ॲण्ड अदर डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स) रेग्युलेशन २०१५ च्या रेग्युलेशन ३३ व रेग्युलेशन ५२ अंतर्गत स्टॉक एक्स्चेंजेसकडे फाइल केलेल्या संपलेल्या तिमाही व वर्षाकरिता वित्तीय निष्कर्षाचे सविस्तर प्रारूप आहे. संपलेल्या तिमाही व वर्षाकरिता वित्तीय निष्कर्षाचे संपूर्ण प्रारूप www.bseindia.com व www.nseindia.com या स्टॉक एक्सचेंजेसच्या वेबसाइटवर आणि www.newindia.co.in या कंपनीच्या वेबसाइटवर उपलब्ध आहे.
२. वरील निष्कर्षांचे लेखा समितीद्वारा परीक्षण करण्यात आले होते आणि ०७ जून, २०२१ रोजी घेण्यात आलेल्या मंडळाच्या सभेत त्यांच्याद्वारा मान्य करण्यात आले आहेत.

स्थळ: मुंबई
तारीख: ०७ जून, २०२१

संचालक मंडळाच्या वतीने आणि करिता
स्वाक्षरी/-
अतुल सहाय
अध्यक्ष-नि-व्यवस्थापन संचालक
डीआयएन०७५४२३०८

24x7 - Toll free number
1800-209-1415
www.newindia.co.in

NEW INDIA ASSURANCE
दि न्यू इन्डिया एश्योरन्स कंपनी लिमिटेड
The New India Assurance Co. Ltd

मुख्य कार्यालय: न्यू इंडिया एश्योरन्स बिल्डिंग, ८७, एम. जी. रोड, फोर्ट, मुंबई- ४००००१ भारत
IRDAI REGN No. 190
CIN : L66000MH1919GOI000526